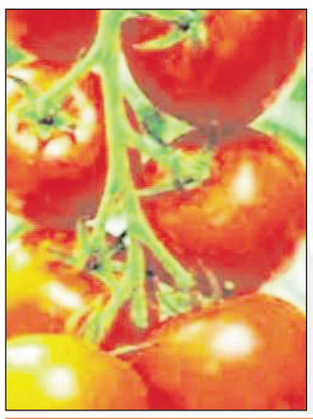

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से यु फलदार सजी पेज: 7

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है: दिव्या पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 45 | शनिवार 16 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

आंध्र में 15000 करोड़ का रक्षा परियोजना, राजनाथ सिंह ने सीएम नायडू की दूरदर्शिता को सराहा

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 15 मई को पुट्टपर्थी में एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) परियोजना की आधारशिला रखने के समारोह के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शिता, तकनीकी फोकस और विकास के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने नायडू के प्रौद्योगिकी के प्रति जुनून और भविष्योन्मुखी सोच की सराहना करते हुए कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में मैंने कई नेताओं को देखा है और कई प्रतिनिधियों के साथ काम करने का अवसर भी मिला है। मैंने कई दूरदर्शी लोगों के साथ काम किया है, लेकिन नायडू गारू में प्रौद्योगिकी के प्रति जो जुनून, विकास के प्रति प्रतिबद्धता और भविष्य का पूर्वानुमान लगाने की दूरदर्शिता है,

बढ़ते कच्चा तेल दाम का असर: सुप्रीम कोर्ट में आभासी सुनवाई, स्टाफ के लिए वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जून और जुलाई में आंशिक कार्यदिवसों के दौरान सोमवार और शुक्रवार को अनिवार्य रूप से वर्चुअल सुनवाई का आदेश दिया, साथ ही पश्चिम एशिया में लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक संकट से उत्पन्न ईंधन संरक्षण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने रजिस्ट्री कर्मचारियों में से 50% तक को सप्ताह में दो बार घर से काम करने की अनुमति दी। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कारपूलिंग करने का भी निर्णय लिया है। शुक्रवार सुबह पूर्ण न्यायालय की बैठक के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के निर्देश पर लिया गया यह कदम वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में

तीव्र वृद्धि और भारत की बढ़ती ऊर्जा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के महासचिव भरत पाराशर द्वारा शुक्रवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि विविध दिनों सोमवार, शुक्रवार या ऐसे अन्य दिनों जिन्हें विविध दिन घोषित किया गया है। सूचीबद्ध सभी मामलों के साथ-साथ न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। परिपत्र में कहा गया है कि रजिस्ट्री को स्थिर वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं और समय पर तकनीकी सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि माननीय न्यायालय को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाया जा सके। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने ईंधन का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आपस में कार-पूलिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया है। अदालत ने रजिस्ट्री की प्रत्येक शाखा या अनुभाग में 50% तक कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन तक घर से काम करने की अनुमति दी है। रजिस्ट्रारों को अदालत प्रशासन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक रोस्टर तैयार करने के लिए कहा गया है। परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि घर से काम करने की अनुमति प्राप्त कर्मचारियों को फोन पर उपलब्ध रहना होगा और आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय में उपस्थित होने के लिए तैयार रहना होगा। इसमें संबंधित रजिस्ट्रारों को घर से काम करने की व्यवस्था को सीमित करने या संशोधित करने का अधिकार भी दिया गया है, यदि उन्हें लगता है कि यह व्यवस्था आवश्यक कार्यों के लिए अप्रभावी है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत के आयात बिल पर बढ़ते दबाव के मद्देनजर ईंधन संरक्षण के लिए केंद्र सरकार की व्यापक अपील को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह की शुरूआत में नागरिकों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, कारपूलिंग अपनाने और जहां संभव हो, घर से काम करने की प्रथा को फिर से शुरू करने का आग्रह किया था। इस सप्ताह की शुरूआत में ऊर्जा की स्थिति को लेकर जताई गई चिंताओं को दूर करते हुए, सरकार ने दैनिक जीवन में ऊर्जा संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करने के प्रधानमंत्री के आह्वान को दोहराया। भारत ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की जो चार वर्षों में पहली खुदरा ईंधन मूल्य वृद्धि है क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियां कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण हुए

शुक्रवार या ऐसे अन्य दिनों जिन्हें विविध दिन घोषित किया.....

सर्वोच्च न्यायालय के महासचिव भरत पाराशर द्वारा शुक्रवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि विविध दिनों सोमवार, शुक्रवार या ऐसे अन्य दिनों जिन्हें विविध दिन घोषित किया गया है। सूचीबद्ध सभी मामलों के साथ-साथ न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई.....

बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह...सीजेआई सूर्यकांत का अजीबोगरीब बयान

कहा- सोशल मीडिया और आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं

नई दिल्ली एजेंसी: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कीड़ों और परजीवियों का उदाहरण देते हुए कहा कि बेरोजगार युवा सोशल मीडिया और सूचना के अधिकार (आरटीआई) का इस्तेमाल करके हर किसी पर हमला करते हैं। ये टिप्पणियां तब आईं जब मुख्य न्यायाधीश कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ एक ऐसे वकील को फटकार लगा रही थी जो वरिष्ठ अधिवक्ता का पदनाम मांग रहा था। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पीठ ने याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील संजय दुबे से कहा कि पूरी दुनिया वरिष्ठ अधिवक्ता बनने के योग्य हो सकती है, लेकिन कम से

कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश ने समाज में परजीवी शब्द का प्रयोग किया हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि दिल्ली उच्च न्यायालय अब भी वकील को वरिष्ठ अधिवक्ता का पदनाम प्रदान करता है, तो सर्वोच्च न्यायालय उसे रद्द कर देगा। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता के वकील द्वारा फेसबुक पर इस्तेमाल की गई भाषा का भी उल्लेख किया। तभी मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने समाज के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई युवा हैं, जो तिलचट्टों की तरह हैं, जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं, और वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। इसके बाद याचिकाकर्ता ने पीठ से माफी मांगी और याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी और इसकी अनुमति दे दी गई। हालांकि, अदालत ने फर्जी कानून की डिग्रियां रखने वाले वकीलों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता व्यक्त की। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि वे दिल्ली के कई वकीलों की कानून की डिग्रियों की सीबीआई जांच का आदेश देने के लिए एक उपयुक्त मामले की प्रतीक्षा कर रहे हैं

केरल के लिए एकजुट हों: वीडी सतीशन ने पिनाराई विजयन से मुलाकात के बाद कहा

केरल एजेंसी: केरल के भावी मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने शुक्रवार को निवर्तमान मुख्यमंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनारयी विजयन को केरल की राजनीति के सबसे वरिष्ठ व्यक्तियों में से एक बताया और राजनीतिक मतभेदों से परे सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। तिरुवनंतपुरम स्थित विजयन के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद सतीशन ने पत्रकारों से कहा कि पिनारयी विजयन केरल की राजनीति के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। हम हर मुद्दे पर एकमत नहीं हो सकते, लेकिन राज्य के लिए महत्वपूर्ण मामलों पर हमें एकजुट होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि यह संभव होगा। चल रही विकास परियोजनाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने शासन में निरंतरता और चल रही

विकास परियोजनाओं पर भी जोर दिया और कहा कि पिछली सरकारों द्वारा शुरू की गई पहलों को बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये पिछली सरकारों की ही देन हैं। अगर एक सरकार दूसरी सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों को रद्द कर दे, तो केरल कैसे प्रगति कर सकता है? पिनारयी विजयन को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया है। एक दिन पहले, कांग्रेस ने 2026 के विधानसभा चुनावों में यूडीएफ की शानदार जीत के बाद सतीशन को केरल का अगला मुख्यमंत्री घोषित किया था। वीडी सतीशन 18 मई को लोक भवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में 102 सीटें जीतकर निर्णायक जनादेश प्राप्त किया और राज्य में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के एक दशक लंबे शासन का अंत किया। परवूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सतीशान ने 2026 के चुनावों में लगातार छठी बार विधानसभा चुनाव जीता। उन्होंने 78,658 वोट प्राप्त किए और सीपीआई उम्मीदवार ईटी टैसन मास्टर को 20,600 वोटों के अंतर से हराया। वे 25 वर्षों से परवूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, उन्होंने पहली बार 2001 में यह सीट जीती थी। पेशे से वकील सतीशन ने केरल छात्र संघ (केएसयू) के माध्यम से अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की और बाद में युवा कांग्रेस में सक्रिय हो गए। वे 2021 से केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्यरत थे

BANK LOAN AVAILABLE

रजिस्ट्रेशन शुरू

सीमित समय ऑफर: रविवार तक विशेष छूट

तुरंत रजिस्ट्री और दाखिल खारिज

50 फुट और 30 फुट चौड़ी सड़के

24/7 की सुरक्षा

NH-09 हाईवे से सटा हुआ

सोलर स्ट्रीट लाइट

विश्व स्तरीय सुविधाएं

पता: नीलकंठ स्टार के पीछे, NH-09, रजबपुर, अमरोहा।

CALL NOW: 9289008868 / www.suryawanshipromoters.com

संपादकीय

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

कमलेश पांडेय

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरूआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं–जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज–को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ह्यफार्मेसी ऑफ द वर्ल्डह्ण कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुमार्ने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

64वीं अन्तरजनपदीय पुलिस वार्षिक तैराकी एवं क्रासकन्ट्री प्रतियोगिता-2026 में अमरोहा पुलिस का शानदार प्रदर्शन

विभिन्न स्पधाओं में कुल 13 गोल्ड मेडल, 02 सिल्वर मेडल तथा वाटरपोलो टीम द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त कर जनपद का नाम किया गौरवान्वित

अमरोहा (सब का सपना):- 64वीं अन्तरजनपदीय पुलिस वार्षिक तैराकी एवं क्रासकन्ट्री प्रतियोगिता वर्ष-2026 का आयोजन मुरादाबाद-बरेली जोन में 11 मई से 13 मई तक किया गया, जिसमें जनपद अमरोहा पुलिस के पुलिसकर्मियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पधाओं में कुल 13 गोल्ड मेडल, 02 सिल्वर मेडल तथा वाटरपोलो टीम द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त कर जनपद का नाम गौरवान्वित किया गया। प्रतियोगिता में हे0का0 गुरदीप सिंह एवं हे0का0 नंदन सिंह राणा द्वारा तैराकी प्रतियोगिता में 08-08 गोल्ड मेडल प्राप्त किये गये। हे0का0 रणधीर सिंह

द्वारा 02 गोल्ड एवं 02 सिल्वर मेडल, हे0का0 अशरफी द्वारा 03 गोल्ड मेडल, हे0का0 सुधीर शर्मा द्वारा 01 गोल्ड मेडल तथा हे0का0 मुनीश द्वारा 03 मीटर डाइविंग प्रतियोगिता में 01 गोल्ड मेडल प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त अमरोहा पुलिस की वाटरपोलो टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टीम में हे0का0 गुरदीप सिंह, हे0का0 नंदन सिंह राणा, हे0का0 रणधीर सिंह, हे0का0 अशरफी, हे0का0 सुधीर शर्मा, हे0का0 मुनीश, हे0का0 विकास, हे0का0 अमित राणा, हे0का0 जफर, का0 कुलदीप तोमर, का0 आशीष एवं का0 रिषभ चक्रवर्ती शामिल रहे। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा पुलिस कार्यालय में उक्त सभी विजेता पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रेरित करती हैं तथा जनपद पुलिस का गौरव बढ़ाती हैं।

ग्राम प्रधानों ने रखी मांगें, खण्ड विकास अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गंगेश्वरी ब्लाक परिसर में शुक्रवार को आयोजित बैठक में सभी ग्राम प्रधानों ने अपनी मांगें रखीं। बैठक में आने वाले पंचायत चुनाव को लेकर चर्चा की गई। ग्राम प्रधानों ने मांग की है कि समय से पंचायत चुनाव न होने पर मौजूदा ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाया जाए। इससे गांव के विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी और समय-समय पर गांव के रास्ते, नाले, नाली, खड़ंजे जैसे कार्य पूर्ण होते रहेंगे। ग्राम प्रधानों ने कहा कि अगर प्रशासक नियुक्त किए जाते हैं तो ग्राम पंचायतों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को ज्ञापन

सौंपकर अपनी मांगों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाने का अनुरोध किया है। ग्राम प्रधानों का कहना है कि वे अपने गांव के विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और वे चाहते हैं कि गांव का विकास बिना किसी बाधा के होता रहे। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें प्रशासक बनाया जाता है तो वे गांव के विकास के लिए और भी बेहतर काम कर पाएंगे। ग्राम प्रधानों ने कहा कि वे मुख्यमन्त्री से उम्मीद करते हैं कि वे उनकी मांगों को सुनेंगे और उन्हें पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे गांव के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और बेहतर काम करेंगे। इस अवसर पर ग्राम प्रधानों ने खण्ड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और उनसे अपनी मांगों को मुख्यमन्त्री तक पहुंचाने का अनुरोध किया। खण्ड विकास अधिकारी ने ग्राम प्रधानों को आश्वासन दिया कि वे उनकी मांगों को मुख्यमन्त्री तक पहुंचाएंगे और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान प्रधान संघ अध्यक्ष पति पप्पू सिंह, चरण सिंह, इशरत अली हेतराम सिंह रतन सिंह अनिल गुर्जर, बिजेंदर, दुधा सिंह, महावीर, नीलम देवी, विनोद कुमार, प्रधान पति नन्हे आदि ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5 के तहत आदमपुर पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- एसपी अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में मिशन शक्ति 5 के द्वितीय चरण के तहत थाना नौगावां सादात एवं थाना आदमपुर पर तैनात शक्तिदीदी टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत में जाकर छात्राओं और महिलाओं को जागरूक किया गया।इस अभियान के तहत शक्ति दीदी टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि वे अपने अधिकारों

के लिए आवाज उठाएं और किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में पुलिस से संपर्क करें। शक्ति दीदी टीम ने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए और उन्हें अपने आसपास के वातावरण को सुरक्षित बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर एसपी अमरोहा लखन सिंह यादव ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शक्ति दीदी टीम द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान महिलाओं को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मंडी धनौरा में किसानों का चकबंदी पर बवाल

किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, चकबंदी विभाग पर खड़ी फसल छुड़वाने का आरोप

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में किसानों ने चकबंदी पर बवाल करते हुए धनौरा उपजिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है जिसमें किसानों ने चकबंदी विभाग पर खड़ी फसल को जुतवाने का आरोप लगाया है साथ ही एसडीएम से गुहार लगाते हुए कोर्ट में विचाराधीन केस को 1 महीने की मोहलत मिलने की मांग की है। बता दें कि मंडी धनौरा के कादराबाद गाँव में चकबंदी प्रक्रिया को लेकर विवाद गहरा गया है। शुक्रवार को किसानों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे को ज्ञापन सौंपा। इसमें चकबंदी विभाग पर उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया गया है।कादराबाद निवासी पीतम, होराम, बलराम,

महेश और बलवंत नामक किसानों ने बताया कि उनकी भूमि संख्या 487 (0.440 हेक्टेयर) पुश्तैनी कृषि भूमि है। उन्होंने आरोप लगाया कि चकबंदी विभाग उनकी लगभग 20 बीघा भूमि को खुर्द-बुर्द कर रहा है। किसानों के अनुसार, इस भूमि पर उनका घर, आम के पेड़ और गन्ने की फसल खड़ी है।किसानों ने यह भी कहा कि मामला चकबंदी न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद हल्का लेखपाल और कानूनगो उनकी खड़ी फसल को जुतवाकर बर्बाद करने का प्रयास कर रहे हैं।किसानों ने एसडीएम को सौंपे गए शिकायती पत्र में तीन मुख्य मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक चकबंदी अधिकारी धनौरा के न्यायालय में चल रहे वाद का निर्णय नहीं हो जाता, तब तक यथास्थिति बनाए रखी जाए। साथ ही, खड़ी फसल काटने के लिए कम से कम एक माह का समय दिया जाए। किसानों ने यह भी मांग की है कि उनकी पुश्तैनी जमीन, पेड़ों और निर्माण को कोई नुकसान न पहुँचाया जाए।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने इस मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि यह प्रकरण वर्तमान में चकबंदी कोर्ट में विचाराधीन है। एसडीएम ने किसानों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया है और कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसी भी किसान के साथ अन्याय न हो।

मंडी धनौरा लेखपाल संघ चुनाव में विकास यादव ने लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर दर्ज कराई जीत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ का चुनाव शुक्रवार को सकुशल संपन्न हुआ। तहसील इकाई के इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर विकास यादव ने लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक दर्ज कराई है। इस चुनाव की पूरी प्रक्रिया को अमरोहा तहसील के लेखपाल प्रशांत गुर्जर (मुख्य चुनाव अधिकारी) और हसनपुर के लेखपाल दिनेश कुमार (उपचुनाव अधिकारी) की देखरेख में निष्पक्ष रूप से सकुशल संपन्न कराया गया। बता दें कि अध्यक्ष पद के लिए हुए इस कड़े मुकाबले में विकास यादव को 40 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी मोहित चौधरी को 27 मत प्राप्त हुए। जीत के बाद विकास यादव ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे लेखपालों की समस्याओं के समाधान और उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।अन्य पदों पर भी चुनाव परिणाम रोचक रहे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुमित सैनी ने कुमारी कविता को मात्र एक मत के अंतर से हराया। सुमित को 34 मत मिले, जबकि कविता को 33 मत प्राप्त हुए।कोषाध्यक्ष पद पर मुजम्मिल ने 41 मत प्राप्त कर प्रदीप कुमार (26 मत) को बड़े अंतर से पराजित किया। ऑडिटर पद पर वैभव गुप्ता ने 40 मत हासिल किए, जबकि योगेश पाल को 27 मत मिले।उप मंत्री पद पर आदर्श मांगट 41 मतों के साथ विजयी रहे। उन्होंने तारेश राणा (26 मत) को हराया। सचिव पद पर अमित कुमार को 39 मत और कोसिंदर सिंह को 28 मत प्राप्त हुए।कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अंजु सैनी ने 39 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जिससे संगठन में महिला भागीदारी मजबूत हुई। इसी पद के एक अन्य मुकाबले में अंजु सैनी को 36 मत और अनामिका पिंपिल को 31 मत मिले।

इस अवसर पर रमेश सैनी, सचिन सिद्धू, सुमित यादव सहित तहसील के सभी लेखपाल उपस्थित रहे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत किया।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की हुई बैठक

विशेष अभियान चलाकर लिंग निर्धारण परीक्षण में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक जिला अधिकारी/समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला अधिकारी द्वारा निर्देशित किया कि जनपद में स्थापित प्रत्येक अल्ट्रासाउंड केंद्र का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा फॉर्म-एफ की समीक्षा की जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर

कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनपद में लिंग अनुपात बढ़ाने हेतु कठोर एवं उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जनपद अमरोहा में विशेष अभियान चलाकर लिंग निर्धारण परीक्षण में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध मिथ्या ग्राहक के माध्यम से पकड़ने की रणनीति अपनाते हुए उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह, रेडियो लॉजिस्टिक डॉक्टर वीपी सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक संयुक्त चिकित्सालय डॉ रंजना, जिला सूचना अधिकारी मोहम्मद दानिश, नोडल अधिकारी जसकरन सिंह, एनजीओ के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में हुई एनकार्ड की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

जनपद में मादक पदार्थो के निर्माण एवं परिवहन पर पूर्णतया लगाए जाए अंकुश

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में एनकार्ड की जिला स्तरीय समिति की माह मई की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। एनकार्ड की बैठक में डीएम द्वारा जिले मे स्थित विभिन्न ला-इन्फोर्समेण्ट एजेसियों को निर्देशित किया गया कि पिट एनडीपीएस एक्ट की धारा-68 बीएफ के अर्न्तगत मादक पदार्थों के अवैध व्यापार करने से अर्जित करने वाली अवैध सम्पत्ति की जब्तीकरण की कार्यवाही की जाए। संयुक्त निदेशक अभियोजन, अमरोहा को निर्देशित किया गया कि एनडीपीएस के समस्त मामलों में प्रभावी पैरवी

करते हुये अधिक से अधिक सजा दिलाई जाए। शिक्षा व समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया कि वे अपने विद्यालयों एवं सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों में ड्रग एब्यूज के विरूद्ध चलाये जा रहे देश व्यापी अभियान का प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें। आबकारी, कृषि एवं वन विभाग को निर्देशित किया गया कि गांजा एवं अफीम की खेती बिना लाइसेंस के न होने पाये इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें। ड्रग इन्सपेक्टर एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि जनपद में मादक पदार्थो के निर्माण एवं परिवहन पर पूर्णतया अंकुश लगाया जाए। आगामी बैठक में जीएसटी के अधिकारी को भी शामिल किया जाए। समस्त सदस्यों को निर्देशित किया गया कि कृत कार्यवाही का विवरण जिला आबकारी अधिकारी, अमरोहा के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी जितेन्द्र कुमार पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की अपील, बच्चों को तालाब-नदियों से दूर रखें

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा जनपदवासियों से गंभीर अपील की है, कि तालाब, पोखर और नदियों में बच्चों को स्नान करने से रोकें। हाल के दिनों में डूबने की घटनाओं से जनहानि के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को जलस्त्रोतों के पास अकेला न छोड़ें और यदि बच्चे पानी के पास हों तो उनकी देखरेख अवश्य करें। डीएम ने कहा कि गर्मी के मौसम में अक्सर बच्चे तालाब या नदी में स्नान करने चले जाते हैं। यह उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समझाएं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ही खेलने दें। उन्होंने यह भी कहा कि पानी के पास खेलना या मस्ती करना खतरनाक है। नाव यात्रा को लेकर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जर्जर, टूटी-फूटी नाव पर सवारी न करें। नाव साफ और सूखी होनी चाहिए। छोटे बच्चों को अकेले नाव पर यात्रा न करने दें। नाव की भार क्षमता और लाइफ जैकेट की उपलब्धता की जांच करना आवश्यक है। यदि नाव पर अधिक भार होगा तो दुर्घटना की संभावना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि नाव पर चढ़ते समय सावधानी बरतें और यह सुनिश्चित करें कि नाव सुरक्षित है। आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ला ने भी लोगों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति मादक पदार्थों का सेवन कर पानी में प्रवेश न करे। शराब या नशे की हालत में पानी में उतरना जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जल में बने सुरक्षात्मक चिन्हों से आगे न जाएं। गहरे पानी में प्रवेश करना खतरनाक है। नाव से नाव पर कूदना या पानी में सेल्फी लेना भी हादसे का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि तैरना न आने वाले लोग नदी, तालाब या पोखर से दूर रहें। पानी में खेलना, मजाक करना या एक-दूसरे को धक्का देना खतरनाक है। कई बार लोग पानी में खेलते-खेलते हादसे का शिकार हो जाते हैं। इसलिए पानी के पास अनुशासन और सावधानी जरूरी है। यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति पानी में डूब रहा हो तो सबसे पहले आसपास मौजूद लोग

बुलाएं। यदि व्यक्ति श्वास नहीं ले रहा है तो उसकी नब्ज जांचें और उसे सीपीआर दें। इसके बाद तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में घबराना नहीं चाहिए। पानी में रहते समय घबराना नहीं चाहिए। सिर को ऊपर रखें, बैग और जूते जैसी भारी चीजें हटा दें। पानी को पीछे की ओर धकेलते रहें ताकि शरीर स्थिर रह सके। हाथों से पानी को ऊपर की ओर उछालते रहें, जिससे लोग देखकर मदद कर सकें। उन्होंने कहा कि पानी में रहते समय धैर्य और संयम बनाए रखना जरूरी है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि थोड़ी सी सावधानी और जिम्मेदारी से कई हादसों को रोका जा सकता है। बच्चों की सुरक्षा, नाव यात्रा के नियम और पानी में व्यवहार को लेकर दी गई ये हिदायतें हर नागरिक को गंभीरता से माननी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल प्रशासन की ही नहीं बल्कि हर नागरिक की है कि वह अपने परिवार और समाज को सुरक्षित रखे।

द आर्यस के छात्र-छात्राओं ने पूल पार्टी में जमकर मस्ती की

अमरोहा (सब का सपना):- द आर्यस जोया में पूल पार्टी का आयोजन किया गया ' जिसमें किंडर गार्टन अनुभाग से नर्सरी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए स्वीमिंग में "ढ़ोल जगी रोदा" एवं पानी वाला डांस जैसे गानों पर नृत्य करते हुए जमकर मस्ती की व धमाल मचाया ' साथ ही रंगीन छाते व चश्मे लगाकर रेन डांस का भरपूर आनंद लिया ' बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया तथा उन्हें स्नैक्स आदि भी वितरित किए गए ' इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह तथा अनिल कुमार सिंह निदेशक अमन लिट्ट, गौरव चौधरी और ध्रुव चौधरी ने सयुंक्त रूप से आज के वातावरण में स्वस्थ रहने व मनोरंजन के लिए आवश्यक क्रिया बताते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया ' इस कार्यक्रम के संचालन में चांदनी

बत्रा, नाहिद नकवी, रेनु राजपूत व शिवानी सिद्धू, शिवानी थॉमस, शगुन, शालिनी वर्मा, साक्षी ने सहयोग किया ' इस अवसर पर शालिनी भारद्वाज, जागृति कौशिक, बी.एस. यादव, अभिषेक सुमन, अनिल कुमार, अनुज यादव, अश्विनी चौधरी, चांदनी महौर, चांदनी बत्रा, चिरंजीव कौर, धीरज चौधरी, हुमा बेबी, खुशबू चौधरी, कुमुद भारद्वाज, ममता वर्मा, मोहम्मद फुरकान सैफी, मोहिनी वर्मा, मोनिका यादव, नाहिद फातमा, नितु ,परमेन्द्र कुमार, प्रीति सिंह, प्रेरणा रावत, रचना चौधरी, राहुल शाक्य, रमन बाला, रुकय्या, सचिन कुमार शर्मा, संतोष कुमार, सरिता वर्मा,

शगुफ्ता हामिद, शैलजा चौधरी, शिखा आनंद, शिवम कुमार, शिवानी गुप्ता, शिवानी सरोहा, सोनू, सुचित्रा सिंह, सुमित कुमार, सुरभि, स्वाति चौधरी, विनीत कुमार शर्मा, प्रियांशी अग्रवाल, शालिनी वर्मा, विपिन कुमार, हुमा परवीन, साक्षी गुप्ता, विधि माहेश्वरी, दीपांशी चौधरी, आफरीन जहां, रजिया खान, अरिशा खान आदि उपस्थित रहेक

बाबा टिकैत की पुण्यतिथि पर किसानों ने लिया एकजुटता का संकल्प

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा शुक्रवार को ग्राम चमरौआ में किसान मसीहा महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला महासचिव अनमोल कुमार के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील संरक्षक सेवक सैनी ने की, जबकि संचालन युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक और प्रमुख किसान नेता बाबा महेन्द्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष 15 मई को मनाई जाती है। उनका निधन 15 मई 2011 को हुआ था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सिसौली निवासी बाबा टिकैत को किसानों का मसीहा माना जाता है। उन्होंने 1980 और 90 के दशक में किसानों के अधिकारों को लेकर कई बड़े आंदोलन किए और जीवनभर किसानों के हक की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि बाबा टिकैत के बताए रास्ते पर चलकर ही किसान अपने अधिकार प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही किसानों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि बिखरे हुए किसान कभी अपने अधिकार हासिल नहीं कर सकते।

कार्यक्रम के अंत में सभी किसानों ने एकजुट होकर किसान हितों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला मंत्री सुफियान पाशा, तहसील अध्यक्ष मेहंदी हसन, ब्लॉक महासचिव धीरेन्द्र त्यागी, तहसील प्रभारी राजीव कुमार, श्रीपाल यादव, मो. हसन, हुकम सिंह सैनी, सुरेन्द्र भाटी, अंकुल कुमार, यामीन मलिक, चन्द्रसेन सैनी, फरमान अली, मो. ताहिर सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव में निकला मॉनिटर लिजार्ड, मचा हड़कम, स्नैक सेवर ने किया रेस्क्यू

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के गांव धुरैटा में बृहस्पतिवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक घर के अंदर बेहद बड़े आकार का मॉनिटर लिजार्ड दिखाई दिया। विशालकाय वन्य जीव को देखकर परिवार के लोग घबरा गए और आसपास के ग्रामीणों में भी दहशत फैल गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के अनुसार मॉनिटर लिजार्ड घर के अंदर बने एक पाइप में जाकर छिप गया था। पहले तो लोगों ने उसे बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन उसका आकार काफी बड़ा होने के

कारण किसी की हिम्मत पास जाने की नहीं हुई। इसके बाद मामले की सूचना तुरंत जाबुल स्नैक सेवर को दी गई। सूचना मिलते ही जाबुल स्नैक सेवर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी देर तक चली मशक्कत के बाद पाइप के अंदर छिपे मॉनिटर लिजार्ड को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के दौरान लोगों की सांसें थमी रहीं और हर कोई पूरे घटनाक्रम को उत्सुकता से देखता रहा। स्नैक सेवर ने बताया कि मॉनिटर लिजार्ड जहरीला नहीं होता, लेकिन खतरा महसूस होने पर हमला कर सकता है। इसलिए ऐसे वन्य जीव दिखाई देने पर लोग घबराएं नहीं और न ही उन्हें मारने या पकड़ने की कोशिश करें। तुरंत वन विभाग या रेस्क्यू टीम को सूचना दें, ताकि सुरक्षित तरीके से उन्हें जंगल या सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा सके।

रेस्क्यू के बाद मॉनिटर लिजार्ड को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने सफल रेस्क्यू के लिए जाबुल स्नैक सेवर की सराहना की। गांव में पूरे दिन इस विशालकाय मॉनिटर लिजार्ड की चर्चा होती रही।

ऑपरेशन दहन के तहत पुलिस ने 91 किलो से अधिक मादक पदार्थ किए नष्ट

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निदेर्शों के क्रम में नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने हेतु जनपद सम्भल पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन दहन के तहत शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में विभिन्न थानों में जब्त किए गए भारी मात्रा में मादक पदार्थों का विधिवत विनिष्टीकरण किया गया। जानकारी के अनुसार थाना बहजोई, चन्दौसी, नखासा और धनारी से संबंधित कुल 15 अभियोगों में बरामद 91.280 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ,

जिनकी अनुमानित कीमत 93 लाख 72 हजार 500 रुपये बताई गई है, को न्यायालय के आदेशानुसार नष्ट किया गया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में डोडा, स्मैक समेत अन्य नशीले पदार्थ शामिल रहे। यह कार्यवाही चक्रण प्राइवेट लिमिटेड बबराला में पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उच्च क्षमता वाले इंसीनरेटर के माध्यम से संपन्न कराई गई। पूरी प्रक्रिया अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत की मौजूदगी एवं गठित ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में पारदर्शी तरीके से फोटो एवं वीडियोग्राफी के साथ पूरी की गई।

इस दौरान प्रभारी नारकोटिक निरीक्षक कश्मीर सिंह यादव, कांस्टेबल मृगनेन्द्र प्रताप सिंह तथा संबंधित थानों के हेड मोहर्रिर भी उपस्थित रहे। सम्भल पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जनपद में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार को किसी भी कीमत पर फलने-फूलने नहीं दिया जाएगा। अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रजबपुर में खेत से दिनदहाड़े किसान की बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज, जांच शुरू

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में दिनदहाड़े एक किसान के खेत से उसकी बाइक चोरी हो गई। इसके बाद किसान ने स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि रजबपुर थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातें लगातार आए दिन सामने आ रही हैं। ताजा मामला थाना क्षेत्र के गांव चांदनगर से सामने आया है, जहां खेत पर काम करने गए एक किसान की बाइक दिनदहाड़े चोरी हो गई। घटना के बाद स्थानीय

लोगों में कानून व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।चांदनगर निवासी नरेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 6 मई को अपनी स्प्लेंडर बाइक लेकर खेत पर गए थे। शाम करीब 6:30 बजे उन्होंने बाइक खड़ी कर टमाटर के खेत में काम करना शुरू किया।कुछ समय बाद जब नरेंद्र वापस लौटे, तो उनकी बाइक वहां से गायब थी। पीड़ित ने बताया कि वह गलती से बाइक की चाबी उसमें ही छोड़ गए थे, जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने बाइक चुरा ली।नरेंद्र ने तत्काल डायल 112 पर घटना की सूचना दी। पुलिस के सहयोग से उन्होंने आसपास बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित ने स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी।पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर 14 मई कोअज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरोगा रवि बाल्यान ने बताया कि प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अवैध रूप से खड़े एवं विपरित दिशा से आने वाले वाहनों के चालान की कार्यवाही करें

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थित में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार कलेक्ट्रेट अमरोहा में संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि जोया स्थित आबादी भाग में फ्लाईओवर पर ऊपर व नीचे अतिक्रमण हटवाया जाए, अवैध रूप से खड़े एवं विपरित दिशा से आने वाले वाहनों के चालान की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। ब्लैक स्पॉट को

चिन्हित कर दूर करने के निर्देश दिए। याताया पुलिस को हेलमेट जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही ओवरस्पीड वाले वाहनों पर चालान की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सड़क किनारे खड़े अवैध वाहनों को खड़ा करने के लिए होल्डिंग एरियाज के लिए होल्डिंग स्टेशन की जमीन चिन्हित करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकरी को दिए। डीआईओएस और बीएसए को स्कूलों में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता अभियान और एक्टिविटी कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी गौरव रंजन, एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा, अनिल जग्गा सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरोहा में भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यालय पहुंचने के लिए किया ई-रिक्शा का इस्तेमाल

कहा-जब तक पेट्रोल डीजल के दाम सामान्य नहीं होते तब तक नहीं करेंगे फोर-व्हीलर का इस्तेमाल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी शुक्रवार को अपने चार पहिया वाहन को छोड़कर ई-रिक्शा से पार्टी कार्यालय पहुंचे। उनके इस कदम की जिले भर में चर्चा हो रही है। बता दें कि जिला कार्यालय पहुंचने के बाद गोस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार ईंधन बचत और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की बात करते रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे खुद उदाहरण पेश

करें।भाजपा के जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी ई-रिक्शा से पार्टी कार्यालय पहुंचे। भाजपा के जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी ई-रिक्शा से पार्टी कार्यालय पहुंचे।उन्होंने बताया कि पेट्रोल-डीजल की मौजूदा स्थिति से आम आदमी प्रभावित है और महंगाई का असर हर परिवार पर पड़ रहा है। इसी को देखते हुए उन्होंने संकल्प लिया है कि जब तक पेट्रोल-डीजल की कीमतें सामान्य नहीं हो जातीं, तब तक वे चार पहिया वाहन का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने इसके लिए एक ई-रिक्शा खरीदा है और अब इसी से यात्रा करेंगे।भाजपा जिलाध्यक्ष के इस कदम को पार्टी कार्यकताओं ने भी सराहा। जिला कार्यालय पर मौजूद कार्यकताओं ने इसे सिर्फ एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि जनता के बीच एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश बताया, जिससे ईंधन बचत को बढ़ावा मिलेगा।उदय गिरी के ई-रिक्शा से कार्यालय पहुंचने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग इस कदम को सादगी और जनसरोकार से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं, विपक्षी दलों की ओर से भी इस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

दरियापुर में सुभासपा की जनचौपाल, सामाजिक समरसता महारैली में पहुंचने का आह्वान

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविन्द राजभर ने गांव दरियापुर में प्रधान मोहम्मद यूनुस सैफी के आवास पर आयोजित जनचौपाल में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने दो जून को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली सामाजिक समरसता महारैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महारैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अमरोहा जनपद से करीब बीस बसों के माध्यम से कार्यकर्ता और समर्थक दिल्ली रवाना होंगे। अरविन्द राजभर ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी हमेशा गरीब, पिछड़े, दलित और वंचित समाज की आवाज

उठाने का कार्य करती रही है। पार्टी सामाजिक भाईचारे और समरसता को मजबूत करने के लिए लगातार गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चला रही है। उन्होंने कार्यकताओं से महारैली को सफल बनाने की अपील की। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव शक्ति सिंह, अनुसूचित मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रितेश मल, जिलाध्यक्ष अमरोहा सत्यपाल तोमर, जिलाध्यक्ष मुरादाबाद एवं मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष बलराज सिंह प्रजापति, मोहम्मद यूनुस सैफी, मोहम्मद नाजिम, आदेश अमरोही, डॉ. जगत सिंह गुर्जर, सुरेंद्र सिंह प्रधान, प्रीत चौधरी, इस्लामुद्दीन इदरीसी, बाबू खां, शेर खान, शाहरुख सैफी, प्रशांत कुमार, पवन कुमार, जमालुद्दीन, कमर आलम, बाबूराम आदि मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज ने विरोध जताकर सपा नेता का पुतला फूंका

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- राजकुमार भाटी की टिप्पणी के विरोध में ब्राह्मण समाज ने खुर्जा में प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। शक्तिमार्ग स्थित भृगु सदन के बाहर एकत्रित समाज के लोगों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि किसी भी समुदाय की आस्था, सम्मान और धार्मिक भावनाओं पर की गई। आपत्तिजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं

की जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान सुरेश शर्मा, संजीव शर्मा उर्फ खोटे, ऋषभ पंडित, अभी शर्मा, बब्बू प्रधान, पीयूष शर्मा, एडवोकेट राजेश शर्मा और केशव शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान ब्राह्मण समाज के लोगों ने सपा नेता का पुतला भी फूंका।

दैवीय आपदा से मृतकों के परिजनों को दी गई राहत राशि, प्रभारी मंत्री ने जताई संवेदना

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में 13 मई को आये तेज आंधी-तूफान एवं वर्षा से उत्पन्न दैवीय आपदा के चलते तहसील सम्भल के थाना कैलादेवी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गंगहेटा में हुए हादसों में दो लोगों की दुखद मृत्यु हो गई थी। शुक्रवार को प्रदेश के प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश धर्मवीर प्रजापति ने जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के साथ मृतकों के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और राहत राशि प्रदान की।प्रभारी मंत्री सबसे पहले भगवान

सिंह पुत्र वीरे के घर पहुंचे। भगवान सिंह की मकान की दीवार गिरने से उसकी चपेट में आने के कारण मृत्यु हो गई थी। मंत्री ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा जिला प्रशासन को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को बाल सेवा योजना के अंतर्गत सहायता दिलाने तथा ग्रामीण आवास योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान राज्य आपदा राहत कोष के अंतर्गत 4 लाख रुपये की सहायता राशि खाते में भेजे जाने का प्रमाण पत्र एवं राहत सामग्री भी परिजनों को प्रदान की गई।

इसके उपरांत मंत्री ने नेमवती पुत्री राजपाल के परिजनों से भी मुलाकात की। नेमवती की विद्युत पोल गिरने से उसकी चपेट में आने के कारण मृत्यु हो गई थी। मंत्री ने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को हर संभव मदद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य आपदा राहत कोष से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का प्रमाण पत्र एवं राहत सामग्री भी प्रदान की गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, डिप्टी कलेक्टर रामानुज सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक हुई आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थित में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समस्त अभियोजकों को अधिक से अधिक मामलों में सजा कराने, विशेष तौर पर महिलाओं से संबंधित अपराधों व पास्को एक्ट से संबंधित मामलों में शत-प्रतिशत सजा कराये जाने के

लिए निर्देशित किया गया। महिलाओं से संबंधित मामलों की गंभीरता के दृष्टिगत जिम्मेदारी पूर्वक अभियोजन करते हुए अधिक से अधिक अभियुक्तों को सजा कराए जाने के लिये निर्देशित किया गया। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाए। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्शा न जाए कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, एएसपी अखिलेश भदौरिया, संबंधित अभियोजक, उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

18 माह का बकाया मानदेय दिलाने को प्रेरकों ने किया प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- साक्षर भारत मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत कार्य कर चुके शिक्षा प्रेरकों ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर अपने 18 माह के लंबित मानदेय के भुगतान की मांग उठाई। जनपद भर से पहुंचे सैकड़ों प्रेरकों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर एकत्र होकर मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के नाम दो सूत्रीय मांग पत्र सौंपा तथा जल्द भुगतान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। प्रेरकों ने आरोप लगाया कि साक्षर भारत मिशन योजना के तहत वर्ष 2009-10 में ग्राम स्तर पर नियुक्त किए गए शिक्षा प्रेरकों से वर्षों तक साक्षरता अभियान, बीएलओ कार्य, हाउसहोल्ड सर्वे और अन्य सरकारी योजनाओं में कार्य लिया गया, लेकिन उनका 18 माह का मानदेय आज तक जारी नहीं किया गया। उनका कहना है कि वर्ष 2018 में योजना

बंद होने के बाद हजारों प्रेरक बेरोजगार हो गए और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। प्रेरक एकता कल्याण समिति (पंजीकृत) के जिला अध्यक्ष पुखराज सिंह मलिक ने कहा कि जनपद बिजनौर में करीब 2250 प्रेरकों ने गांव-गांव जाकर लोगों को साक्षर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बावजूद सरकार ने उनका बकाया मानदेय जारी नहीं किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 में साक्षरता विभाग की ऑडिट भी कराई गई थी, जिसमें अवशेष मानदेय भुगतान के लिए आवश्यक विवरण मांगा गया था, लेकिन आज तक भुगतान नहीं हो सका। प्रेरकों ने मांग की कि जिन साक्षरता कर्मियों की आयु सीमा अभी बाकी है, उन्हें किसी विभाग में समायोजित किया जाए। वहीं आयु सीमा पार कर चुके प्रेरकों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। इसके साथ ही साक्षरता कर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। जिला महामंत्री चौधरी ईशम सिंह ने कहा कि वर्षों तक सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने वाले प्रेरकों को अब उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई प्रेरकों के परिवार आर्थिक तंगी के कारण गंभीर संकट में हैं और रोजगार के अभाव में उनका जीवन प्रभावित हो रहा है।

जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में सरकार से मांग की गई कि सभी प्रेरकों का बकाया मानदेय एकमुश्त जारी किया जाए और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

इस दौरान चौधरी नरेंद्र सिंह, बाबूराम आर्य, कुमारी वंदना, नरेश कुमार, वृक्षपाल सिंह आदि बड़ी संख्या में प्रेरक मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर संचालकों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने ऑनलाइन फार्मेसी और अनियंत्रित दवा व्यापार के खिलाफ कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। संगठन ने ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण लगाने की मांग करते हुए इसे मरीजों की सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बताया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि बिना पर्याप्त निगरानी के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से नकली, एक्सपायरी और प्रतिबंधित दवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ सकता है। इससे मरीजों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि दवा केवल एक व्यापार नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ी जिम्मेदारी है, इसलिए इसकी बिक्री पर सख्त नियंत्रण आवश्यक है। ज्ञापन में कहा

गया कि स्थानीय मेडिकल स्टोर वर्षों से लोगों को आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराते आ रहे हैं। रात हो या आपदा की स्थिति, दवा विक्रेता मरीजों तक जरूरी दवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ऑनलाइन फार्मेसी के बढ़ते प्रभाव से पारंपरिक दवा व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, जिससे भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना डॉक्टर की पर्ची के भी दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं, जो नियमों के विपरीत है। उनका कहना है कि इस तरह की अनियंत्रित व्यवस्था से दवाओं के दुरुपयोग और गलत सेवन का खतरा बढ़ रहा है। संगठन ने अपनी मांगों को लेकर 20 मई को प्रस्तावित भारत बंद में भागीदारी की घोषणा भी की है। पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन किसी को असुविधा पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षित दवा व्यवस्था और जनस्वास्थ्य की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस दौरान संगठन के संरक्षक वीरपाल सिंह और एमपी सिंह, अध्यक्ष सुबोध कुमार, चेयरमैन देवेश कुमार, महामंत्री सतीश गहलोत, कोषाध्यक्ष इंदर सिंह चौहान, मुख्य सचिव केके अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, जिला सचिव तारीक मसरूर (सोनू), मोहम्मद आरिफ (पाशा), वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रजेश चंद्र शर्मा, संगठन मंत्री हितेंद्र खरबंदा, तहसील अध्यक्ष अचल चौहान, मीडिया प्रभारी पुरखराज सिंह मलिक, मोहम्मद ओवैस, रजनीश शर्मा सहित बड़ी संख्या में केमिस्ट मौजूद रहे। एसोसिएशन ने प्रशासन से मांग की कि उनकी समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाया जाए और ऑनलाइन फार्मेसी तथा अनियंत्रित दवा विक्रय के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुरानी रंजिश में गई युवक की जान, चार नामजद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर तहसील क्षेत्र के शिवाला कलां थाना इलाके में जन्मदिन पार्टी के बाद एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अमरोहा जिले के अल्हैदापुर कलां निवासी 23 वर्षीय लोकेश उर्फ टंडेल के रूप में हुई है। परिजनों ने चार युवकों पर घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, लोकेश 14 मई की रात शिवाला कलां क्षेत्र में विशाल पाल की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गया था। मृतक के भाई अंकुल चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पार्टी के दौरान मौजूद सिन्टू उर्फ सचिन रात करीब 10 बजे वहां से चला गया था। आरोप है कि बाद में उसने फोन कर लोकेश को अपने घर बुलाया। बताया गया कि लोकेश अपने दोस्तों विशाल पाल, लक्की और उज्ज्वल गौड़ के साथ बाइक से वहां पहुंचा। आरोप है कि वहां पहले से घात लगाए बैठे युवकों ने उन पर हमला कर दिया। परिजनों के मुताबिक, सिन्टू उर्फ विपिन, विशाल उर्फ बिट्टू, प्रियांशु चौहान और सिद्धार्थ ने तमंचों से ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे लोकेश की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि वारदात के पीछे पुरानी रंजिश कारण हो सकती है। बताया जा रहा है कि करीब चार महीने पहले आरोपी पक्ष और कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि समझौते के बहाने लोकेश को बुलाया गया और फिर हमला कर दिया गया। मृतक के छोटे भाई मयंक ने बताया कि पुराना विवाद उज्ज्वल गौड़ और प्रियांशु चौहान के बीच था, जबकि लोकेश का किसी से कोई झगड़ा नहीं था। उसने बताया कि बर्थडे पार्टी से लौटते समय रास्ते में आरोपियों ने उन्हें रोक लिया। पहले कहासुनी हुई और उसके बाद फायरिंग शुरू कर दी गई। एक अन्य युवक ने भी बताया कि आरोपियों में शामिल सिंटू ने खुद उन्हें घर छोड़ने के लिए बुलाया था। परिजनों के अनुसार, लोकेश नोएडा की एक निजी कंपनी में नौकरी करता था और अपनी मां की तबीयत खराब होने की सूचना पर तीन दिन पहले ही घर आया था। परिवार में उसकी दो बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि छोटा भाई अभी पढ़ाई कर रहा है। पिता का पहले ही निधन हो चुका है। बेटे की मौत के बाद मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर चार लोगों को नामजद किया गया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

ट्रक और छोटा हाथी की भिड़ंत से मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- नूरपुर कस्बे के नहटौर चौक पर शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में पानी सप्लाई करने वाले छोटा हाथी वाहन को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में वाहन में सवार तीन युवक घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, धमरौला गांव निवासी लाखन सिंह, लोकेन्द्र सिंह और अंकित सैनी वाटर सप्लाई के छोटा हाथी वाहन से नूरपुर क्षेत्र में पानी सप्लाई करने जा रहे थे। जैसे ही उनका वाहन नहटौर चौक के पास

पहुंचा, सामने से आ रहे एक ट्रक ने छोटा हाथी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छोटा हाथी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीनों युवक घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद लोकेन्द्र सिंह और अंकित को घर भेज दिया,
जबकि गंभीर रूप से घायल लाखन सिंह की हालत चिंताजनक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में परिजन बेहतर उपचार के लिए उसे हायर सेंटर ले गए। हादसे के बाद कुछ समय के लिए नहटौर चौक पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लेखपाल भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, 12 केंद्रों पर होंगे 5232 परीक्षार्थी शामिल

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेर्शों के क्रम में आगामी लेखपाल भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जानकारी दी गई कि जनपद बिजनौर में लेखपाल भर्ती परीक्षा के लिए कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 5232 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। अपर जिलाधिकारी अंशिका दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा कार्य में लगाए गए सभी कार्मिकों के परिचय पत्र समय से जारी किए जाएं और बिना परिचय

पत्र किसी भी कर्मचारी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश न दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित साधनों के प्रयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति नकल कराने या परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
उन्होंने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा से पूर्व परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन अवश्य किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल दूर कराया जाए। अपर जिलाधिकारी ने परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर क्लॉक रूम की व्यवस्था की जाए और जमा सामान पर किसी भी प्रकार का शुल्क न लिया जाए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन गंभीर नजर आया। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के सभी प्रवेश और निकास द्वारों, गलियारों तथा परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्य कर रहे हों। इसके साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग को परीक्षा केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, जबकि पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने पर भी जोर दिया गया।
पुलिस विभाग को परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद के लिए किसानों की भारी किल्लत पुलिस के साये में बंटा यूरिया

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में खाद की भारी किल्लत के चलते किसानों को दर-दर भटकना पड़ रहा है। कृषक भारती सेवा केन्द्र पर नीम लेपित यूरिया जिंक सल्फेट के वितरण के दौरान किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल की मौजूदगी में यूरिया का वितरण कराया गया। खाद केन्द्र पर सुबह से ही किसानों की लम्बी-लम्बी कतारें देखने को मिली। इन लाइनों में न केवल पुरुष बल्कि महिला किसान भी अपनी बारी के इंतजार में घंटों खड़ी रहे किसानों का आरोप है कि व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई

है किसानों के खतौनी जैसे कागजात सात दिन से जमा है। मौके पर मौजूद किसान राजा, कृष्ण शर्मा, सुन्दर, अनिल, ओमवीर शर्मा, पवन शर्मा और रामकुमार, ने अपना रोष व्यक्त करते हुए बताया कि वे पिछले एक सप्ताह सात दिन से अपनी खतौनी जमा कर चुके हैं लेकिन अब तक उन्हें खाद नसीब नहीं हुई है वितरण प्रणाली में तकनीकी खामियां आड़े आ रही हैं। कभी सर्वर डाउन होने से मशीन बन्द हो जाती है तो कभी घंटों इंतजार के बाद भी नम्बर नहीं आता। वहीं किसानों ने सरकारी केन्द्रों पर अव्यवस्था के साथ-साथ निजी दुकानदारों पर भी गम्भीर आरोप लगाए है किसानों का कहना है कि जब वे मजबूरी में प्राइवेट दुकानों पर यूरिया लेने जाते है तो दुकानदार यूरिया के साथ जबरन अन्य महंगी दवाइयां और उत्पाद थमा देते है। हालत यह है कि जितनी कीमत यूरिया की नहीं होती उससे कहीं ज्यादा की दवाइयां किसानों को खरीदनी पड़ रही है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खाद की उपलब्धता बढ़ाई जाए और वितरण प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया जाए ताकि उन्हें खेती के इस महत्वपूर्ण समय में परेशानी न उठानी पड़े।

भाकियू ने श्रद्धा के साथ मनाई बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि, निकाली विशाल किसान रैली

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन के तत्वावधान में किसान नेता स्वर्गीय बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की 15वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और किसान एकता के संकल्प के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व भाकियू तहसील अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत ने किया।कार्यक्रम के दौरान किसान नेताओं एवं कार्यकताओं ने बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने बाबा टिकैत को किसानों की आवाज बताते हुए उनके संघर्षों और आंदोलनों को याद किया। पुण्यतिथि के अवसर पर किसानों द्वारा एक विशाल किसान रैली भी निकाली गई। रैली मिल तिराहे से शुरू होकर शीला टॉकीज, आरएसएम तिराहा और नगीना चौक होते हुए तहसील परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में दर्जनों ट्रैक्टरों और वाहनों पर सवार किसान नेताओं एवं कार्यकताओं ने बाबा महेंद्र सिंह टिकैत अमर रहें और किसान एकता जिंदाबाद जैसे नारों से पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत ने कहा कि बाबा महेंद्र सिंह टिकैत ने अपना पूरा जीवन किसानों के अधिकार, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज भी किसानों को उनके बताए मार्ग पर चलकर संगठित रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मौजूद किसानों ने बाबा टिकैत के संघर्षों को आगे बढ़ाने और किसान हितों की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान, भाकियू पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बचत और सादगी की मिसाल ई-रिक्शा से बोर्ड बैठक में पहुंचे जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीके शर्मा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ईंधन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में की गई अपील का असर अब धरातल पर दिखने लगा है जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, बुलन्दशहर के अध्यक्ष डीके शर्मा, ने एक सराहनीय पहल करते हुए सादगी और पर्यावरण प्रेम का संदेश दिया शुक्रवार को जिला सहकारी बैंक की महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक आयोजित की गई थी। अमूमन वीआईपी कारों के काफिले के साथ चलने वाले रसूखदार पदों के विपरीत अध्यक्ष डीके शर्मा, अपनी निजी कार छोड़ कर ई-रिक्शा के जरिए बैंक पहुंचे उनकी इस सादगी को देख बैंक कर्मचारी और वहां के मौजूद लोग दंग रह गए। पेट्रोल-डीजल की बचत

का संदेश अध्यक्ष डीके शर्मा, ने बताया कि प्रधानमंत्री की अपील का सम्मान करते हुए उन्होंने पेट्रोल और डीजल की बचत के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि ईंधन की बचत न केवल देश की अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है बल्कि पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए भी यह समय की मांग है। आम जन के लिए प्रेरणा बैंक परिसर में ई-रिक्शा से उतर कर जब वे बैठक में शामिल होने पहुंचे तो चर्चा का विषय बन गए। डीके शर्मा ने सन्देश दिया कि यदि सक्षम लोग भी छोटे-छोटे प्रयासों से सार्वजनिक परिवहन या इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शुरू करें तो समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है उनके इस कदम की सराहना की जा रही है ।

अधिशासी अभियंता कार्यालय पर स्मार्ट मीटर संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु कैंप का हुआ आयोजन

सिकंद्राबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों और विरोध को देखते हुए बिजली विभाग ने राहत देने के लिए विशेष कैंप शुरू किया है। कई स्थानों पर उपभोक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई, वहीं कुछ जगहों पर मीटर हटाकर विभागीय कार्यालयों में जमा भी कराए गए।
उपभोक्ताओं की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार के निदेर्शानुसार स्मार्ट मीटर व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगे हैं, उनका बिल पहले की तरह प्रतिमाह आएगा। रिचार्ज आधारित प्रणाली लागू नहीं रहेगी।
इसी क्रम में सिकंद्राबाद स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय पर 15 मई से 30 मई 2026 तक विशेष कैंप लगाया गया है। कैंप में बिजली विभाग के कर्मचारी उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की नई व्यवस्था, बिलिंग प्रक्रिया तथा इसके उपयोग संबंधी जानकारी दे रहे हैं।
इस संबंध में अधिशासी अभियंता प्रथम राहुल शर्मा ने बताया कि शासन के आदेश के अनुपालन में उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को पहले की तरह मासिक बिल मिलेगा और व्यवस्था पूर्ववत रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में नगर की चेंबर धर्मशाला सहित अन्य चिन्हित स्थानों पर भी कैंप लगाकर उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के फायदे, उपयोग और नई व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का दिल्ली-लोनी रोड पर चलने वाले ध्यान दें! 15 दिनों तक बदलना पड़ेगा रोज का रास्ता

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शिव विहार मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली-लोनी रोड पर यातायात व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। शिव विहार मेट्रो स्टेशन से लोनी गोल चक्कर की ओर आने-जाने वाले मार्ग पर यातायात पूरी तरह से प्रभावित रहेगा। 15 दिनों तक मार्ग रहेगा प्रभावित यूपी क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य के कारण इस सड़क पर चलने से बचने की सलाह दी गई है। यह काम लगभग 15 दिन तक चलने की संभावना है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि लेन प्रतिबंध और डायवर्जन के कारण इस मार्ग पर धीमी गति से यातायात चलेगा और जाम की स्थिति बन सकती है। दिल्लीवासियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा पहले से प्लान करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। यातायात एडवाइजरी यात्रा से पहले पर्याप्त समय निकालकर प्लानिंग करें। लोनी की ओर जाने वाले वाहन चालक भोपुरा बॉर्डर वाले वैकल्पिक रास्ते का उपयोग करें। निर्माण क्षेत्र के आसपास सावधानी से वाहन चलाएं और निर्धारित स्पीड लिमिट का पालन करें। ट्रैफिक साइनेज और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के निर्देशों का पालन करें। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे धैर्य रखें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सड़क पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ सहयोग करें। रियल-टाइम अपडेट के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट, सोशल मीडिया हैंडल, व्हाट्सएप (8750871493) या हेल्पलाइन (1095 / 011-25844444) पर संपर्क करें।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला: जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी अल फलाह ट्रस्ट के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी की नियमित जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। अदालत ने ईडी को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। ट्रायल कोर्ट ने 2 मई को सिद्दीकी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। सिद्दीकी को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला फरीदाबाद में उनके शिक्षण संस्थान में छात्रों द्वारा दी गई फीस से अवैध फंड जुटाने से जुड़ा है।

दिल्ली में पहली बार दौड़ीं हाइड्रोजन बसें, क्या रहेगी टाइमिंग और रूट; किन-किन सुविधाओं से हैं लैस?

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली वालों के लिए एक अच्छी खबर है। दिल्ली में पहली बार हाइड्रोजन बसों का संचालन शुरू हो गया है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ परिवहन की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स और मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस के साथ मिलकर आज दिल्ली के सेंट्रल विस्टा एरिया में एक इंटीग्रेटेड हाइड्रोजन-पावर्ड शटल बस सर्विस शुरू की है। आज शुक्रवार सुबह 8:30 बजे सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन से पैसेंजर सर्विस के लिए दो हाइड्रोजन बसें शुरू की गईं। इन बसों की चाबियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर (रिफाइनरी), अरविंद कुमार ने डीएमआरसी और आईओसीएल के दूसरे सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में डीएमआरसी के डायरेक्टर (ऑपरेशंस एंड सर्विसेज) डॉ. अमित कुमार जैन को सौंपीं। कई सुविधाओं से लैस हैं बसें हाइड्रोजन-ईंधन से चलने वाली ये बसें सुविधाओं से लैस होंगी। इन बसों में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग और सीसीटीवी सिस्टम लगे हैं। इनसे वास्तविक समय की निगरानी, सुरक्षा और समय की पाबंदी सहित मार्ग का पालन करने उपयोग किया जा सकेगा। क्या रहेगी बसों की टाइमिंग? डीएमआरसी के निदेशक अमित कुमार जैना के अनुसार, दिल्ली में इन बसों को सुबह 8:30 से दोपहर में 12:30 बजे तक और 3:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक चलाया जाएगा। अमिक कुमार जैन ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बताया कि इन प्रणाली को सेंट्रल विस्टा जोन में पर्यावरण के अनुकूल लास्ट-मॉडल कनेक्टिविटी विकल्प के रूप में डिजाइन किया गया है।

दिल्ली-लुधियाना के बीच एयर इंडिया की उड़ान शुरू, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए मिलेगा चेक इन; रोज 2 फ्लाइट्स

नई दिल्ली। देश की राजधानी से अब पंजाब के औद्योगिक केंद्र लुधियाना (हलवारा) के लिए हवाई सेवा शुरू हो गई है। एअर इंडिया ने शुक्रवार से दिल्ली और नवनिर्मित हलवारा एयरपोर्ट के बीच अपनी विमान सेवा शुरू कर दी है। लंदन, पेरिस, रोम और मिलान के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट इस सेवा के शुरू होने से आईजीआई एयरपोर्ट अब लुधियाना वासियों के लिए ग्लोबल गेटवे बन गया। एअर इंडिया का कहना है कि लुधियाना से आने वाले यात्री आईजीआई के उसी टर्मिनल से लंदन, पेरिस, रोम और मिलान जैसे शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट ले सकेंगे। लुधियाना में मिल जाएगा इंटरनेशनल फ्लाइट का चेक-इन यात्रियों को लुधियाना में ही इंटरनेशनल फ्लाइट का चेक-इन मिल जाएगा। दिल्ली एयरपोर्ट पर उन्हें सामान के लिए दोबारा परेशान नहीं होना होगा, उनका बैग सीधे विदेशी गंतव्य पर मिलेगा। रोज दो फ्लाइट लुधियाना के लिए रवाना की जाएंगी शुक्रवार सुबह दिल्ली से एअर इंडिया की पहली उड़ान लुधियाना के लिए रवाना हुई। एअर इंडिया के अनुसार दिल्ली और लुधियाना के बीच अब रोजाना दो उड़ानें संचालित होंगी। इससे दिल्ली-लुधियाना के बीच सड़क मार्ग से होने वाले 5-6 घंटे के थकाऊ सफर की जगह अब यात्री मात्र कुछ ही समय में दिल्ली पहुंच सकेंगे।

दिल्ली को लीड्स 2025 में नमूना दर्जा, उपराज्यपाल संधू ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को राजधानी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने व ईज ऑफ लिविंग सुधारने के लिए चल रहे डीरगुलेशन अभियान की प्रगति की समीक्षा की। दरअसल, राजधानी में व्यापारियों को व्यापार में बाबुओं के चक्कर लगाने और जनता को विभागों के आगे मत्थे टिकवाने की प्रथा को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा ताकि व्यापारियों की राह और जनता का जीवन बाधा मुक्त हो सके। यह बैठक उन्हीं कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी। प्रगति रिपोर्ट में क्या निकली बातें? दिल्ली के उपराज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की गई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने इस संबंध में जानकारी दी गई है कि प्रगति रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप है। बैठक में उपराज्यपाल ने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि 2025 लीड्स (नेतृत्व) रैंकिंग में दिल्ली ने यूटी श्रेणी में अचीवर्स (एचीवर्स) से आगे बढ़कर एक्जेप्लर (नमूना) का उपलब्धिक प्राप्त कर ली है। क्या है ओमनीबस

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल? उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस लंबे समय से चली आ रही रेगुलेटरी बाधाओं को हटाकर शासन को सरल बनाने और 'परमिटेड अनटिल प्रोहिबिटेड' इकोसिस्टम की ओर बढ़ने पर है। उपराज्यपाल ने यह भी जानकारी दी कि ओमनीबस ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल (ओमनीबस ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल) 2026 को तेजी से लाने की प्रक्रिया चल रही है। इससे मंजूरी की प्रक्रिया और बेहतर होगी और अनुपालन का बोझ भी कम होगा। साथ ही, सभी क्षेत्रों में सेवा की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बनाए रखना भी सुनिश्चित किया जाएगा। विकसित दिल्ली के लिए कर रहे प्रयास बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भारत सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों के तहत चिन्हित सभी बाकी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को 30 जून 2026 तक पूरी तरह लागू कर दिया जाए। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप हर सुधार दिल्लीवासियों के लिए बेहतर दक्षता, पारदर्शिता और अवसरों में बदलना चाहिए। हम दक्षता और उत्कृष्टता वाले शासन मॉडल के प्रति प्रतिबद्ध हैं।' यह प्रयास विकसित दिल्ली के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीमद् भागवत कथा का सात दिवसीय आयोजन श्रद्धा और भव्यता के साथ हुआ संपन्न

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- श्री हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का सात दिवसीय आयोजन 7 से 13 मई तक श्री नवदुर्गा शक्ति मंदिर के निकट सिद्धेश्वर रोड पर श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कथा वाचन संतोष व्यास महाराज ने किया, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। ट्रस्ट के संस्थापक

सोनपाल सिंह चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी मुख्य यजमान रहे। ट्रस्ट जिला अध्यक्ष डीसी गुप्ता ने बताया कि 13 मई को कथा का विधि-विधान से विश्राम हुआ तथा 14 मई को विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में यशपाल सिंह, जसवंत सिंह, दानवीर सिंह, जयप्रकाश बाबा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन में भक्ति गण उपस्थित रहे

बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी

एसडीओ ने बताया तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति बाधित हुई

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- विभिन्न विद्युत उपकेंद्रों पर तकनीकी खराबी के चलते कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती से लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ और कई इलाकों में पेयजल संकट भी खड़ा हो गया। नगर क्षेत्र के कालिंदी कुंज, पाटरी सेंटर और उपकेंद्र नंबर-5 के साथ ही तेलिया घाट उपकेंद्र पर खराबी के कारण देर रात से सुबह तक आपूर्ति प्रभावित रही। वहीं देहात क्षेत्र में मामन उपकेंद्र से जुड़े कई गांवों में भी बिजली नहीं पहुंच सकी। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एसडीओ अविनाश चौधरी ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति बाधित हुई, जिसे ठीक कर बहाल कर दिया।

नन्हे बच्चों ने लगाया सब्जी एवं फल बाजार, खेल-खेल में सीखा लेन-देन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- एन आर ग्लोबल स्कूल में नर्सरी, एलकेजी एवं यूकेजी के विद्यार्थियों के लिए सब्जी एवं फल बाजार के रूप में दुकान संचालन गतिविधि का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने फल, सब्जियां एवं पेय पदार्थों की दुकानों का संचालन किया। गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने फल-सब्जियों की पहचान, खरीद-बिक्री एवं धन के लेन-देन का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त

किया। बच्चों ने दुकानदार और ग्राहक बनकर पूरे उत्साह के साथ भाग लिया तथा इस अनुभव का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन सोनिका मैम, खुशबू मैम, दीक्षा मैम, तनु मैम, तान्या मैम, संतोष मैम एवं नेहा मैम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

विद्यालय की प्राचार्या डॉ. आरती चपराना एवं निदेशक डॉ. विनय कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में व्यावहारिक ज्ञान, सामाजिक व्यवहार एवं लेन-देन की समझ विकसित करती हैं।

मंडावली में iPhone -15 चोरी का खुलासा, CCTV और टेक्निकल सर्विलांस से आरोपी दबोचा

मंडावली में iPhone-15 चोरी का खुलासा, CCTV और टेक्निकल सर्विलांस से आरोपी दबोचा

पूर्वी दिल्ली के मंडावली थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए चोरी किया गया iPhone-15 बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो पहले भी चोरी और स्नैचिंग के मामलों में शामिल रह चुका है। पुलिस के मुताबिक, 11 मई 2026 को सेवा सदन इलाके से iPhone-15 चोरी होने की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर मंडावली थाने में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच

शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने इलाके में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। साथ ही टेक्निकल सर्विलांस और स्थानीय मुखबिरों की मदद से आरोपी की पहचान की गई। जांच के दौरान आरोपी की पहचान सेवा सदन ब्लॉक निवासी 23 वर्षीय स्माइल के रूप में हुई। पुलिस टीम ने लगातार निगरानी और दबिश के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी किया गया iPhone-15 बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की इस वारदात में संलिप्तता सामने आई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी पहले भी चोरी और स्नैचिंग के दो मामलों में शामिल रह चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की जांच में जुटी हुई है। पूर्वी जिला पुलिस का कहना है कि त्वरित कार्रवाई, CCTV विश्लेषण और तकनीकी जांच की मदद से मामले का जल्द खुलासा संभव हो सका।

मानसून के लिए दिल्ली तैयार, सभी 13 जिलों में तैनात की गईं QRT टीमें; ट्रैफिक जाम और जलभराव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। मानसून के दौरान आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए दिल्ली के सभी 13 जिलों में त्वरित प्रतिक्रिया टीमों का गठन किया गया है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेशों के अनुसार मानसून और अन्य गंभीर मौसम स्थितियों के दौरान आपातस्थितियों से निपटने के लिए इन टीमों का गठन किया गया है। गिरे हुए और उखड़े हुए पेड़ों के कारण उत्पन्न आपात स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना तथा उन्हें तेजी से हटाना भी इनके कार्यक्षेत्र में शामिल है। तीन शिफ्ट में काम करेंगी टीमें यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है और अगले आदेश तक जारी रहेगा। ये टीमें सभी डीएम के तहत काम करेंगी। टीमें तीन शिफ्टों में काम करेंगी। मानसून के दौरान तेज हवाओं और भारी वर्षा से पेड़ों के गिरने या उखड़ने की घटनाएं आम हो जाती हैं। इससे न केवल यातायात ठप होता है, बल्कि जान-माल का नुकसान भी हो सकता है। आधुनिक उपकरणों से लैस ये टीमें सड़कों पर गिरे भारी पेड़ों और टहनियों को तेजी से हटाकर यातायात बहाल करेंगी। डीडीएमए ने स्पष्ट किया है कि नियंत्रण कक्ष से सूचना मिलते ही टीम को न्यूनतम समय में मौके पर पहुंचना होगा। जाम और जलभराव से टीमें दिलाएंगी राहत डीडीएमए का यह आदेश अगले निर्देश तक लगातार जारी रहेगा। सरकार और प्रशासन का उद्देश्य मानसून के चार महीनों के दौरान जलभराव और भारी जाम की समस्या से दिल्लीवासियों को निजात दिलाना है। सभी संबंधित विभागों को इन टीमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा नियंत्रण कक्ष को भी सीधे इन 13 टीमों से जोड़ दिया गया है ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान बिना किसी देरी के हो सके।

'एक परीक्षा भविष्य तय नहीं करती', स्कूलों में काउंसलिंग शुरू, ये हैं तनाव दूर करने के लिए एक्सपर्ट्स के टिप्स

दक्षिणी दिल्ली। 12वीं कक्षा में विद्यार्थियों का प्रदर्शन, अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं और भविष्य को लेकर चिंता अक्सर तनाव को जन्म दे सकती हैं। इस समय नीट परीक्षा रद होने या बोर्ड परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक अंक नहीं मिलने से विद्यार्थियों की चिंता बढ़ी हुई है। एक्सपर्ट्स की मानें तो यह प्रक्रिया स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी है इन भावनाओं को समझें और जल्द ही सामान्य स्थिति में लौटें। छात्रों का मानसिक तनाव दूर करने के लिए कई स्कूलों ने काउंसलिंग शुरू की है। परीक्षार्थी अपनी शंकाएं और करियर दुविधाएं साझा कर सकें और घबराहट या निराशा का शिकार ना हों यही मकसद है। स्कूलों में मनोवैज्ञानिकों, करियर काउंसलरों और शिक्षकों की मदद से विद्यार्थियों को भावनात्मक सहयोग और सही मार्गदर्शन दिया जा रहा है और करियर विकल्पों के बारे में बताया जा रहा है, ताकि वे सही दिशा में आगे बढ़ सकें। स्कूलों में चल रही काउंसिलिंग और करियर गाइडेंस वर्कशॉप एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, पुष्प विहार की प्रिंसिपल अमीता मोहन का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षा को लेकर बनी अनिश्चितता और परिणाम विद्यार्थियों पर भावनात्मक रूप से भारी पड़ सकते हैं। स्कूल में काउंसलरों के साथ नियमित बातचीत, वेलनेस सेशन, करियर गाइडेंस वर्कशॉप जारी हैं। अभिभावकों की भी काउंसलिंग की जा रही है, ताकि बच्चों को कोई तनाव हो तो तुरंत एक्सपर्ट मदद मिल सके। बच्चों को स्कूल और घर दोनों जगहों पर भावनात्मक सहयोग मिलना जरूरी है। सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से ही वे आत्मविश्वास और उम्मीद के साथ आगे बढ़ेंगे। बच्चों पर न डालें दबाव, भरोसा जताएं कोई एक परीक्षा विद्यार्थियों के भविष्य को तय नहीं करती।

मेवाती गिरोह का शातिर भगोड़ा गिरफ्तार, 10 दिन तक मेवात में डेरा डाले रही पुलिस; 35 लाख के चुराए थे मोबाइल

नई दिल्ली। महिपालपुर स्थित मोबाइल की दुकान से 35 लाख की कीमत के मोबाइल व एक्सेसरीज चोरी करने वाले मेवाती गिरोह के शातिर आरोपित को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान नूंह के निजाम उर्फ निज्जाम उर्फ टोंटा उर्फ केकड़ा के रूप में हुई है। वह पिछले दो साल से फरार चल रहा था और बीते माह ही न्यायालय ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। इस गिरोह में शामिल तीन आरोपितों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर 102 चोरी के मोबाइल और अपराध में इस्तेमाल किया गया एक वाहन बरामद कर चुकी है। चोरी के 102 मोबाइल और एक बाइक बरामद क्राइम ब्रांच के उपायुक्त पंकज कुमार के मुताबिक, 23 सितंबर 2024 की देर रात महिपालपुर स्थित खुशी कम्युनिकेशन नामक एक मोबाइल की दुकान में रात के समय चोरी की एक घटना हुई। दुकान का शटर तोड़कर वहां से लगभग 35 लाख रुपये के मोबाइल फोन और एक्सेसरीज चोरी कर आरोपित फरार हो गए थे। आरोपितों को पकड़ने के लिए क्राइम

ब्रांच को मामला सौंपा गया और जांच के दौरान, मेवात इलाके से कुल तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से कुल 102 चोरी के मोबाइल और अपराध में इस्तेमाल किया गया एक वाहन बरामद किया गया। 10 दिनों तक मेवात में जमी रही पुलिस पुलिस के अनुसार, उक्त कार्रवाई के बाद से ही आरोपित निजाम फरार चल रहा था। भगोड़े का पता लगाने के लिए एसीपी उमेश बर्थवाल की देखरेख में और इंस्पेक्टर राकेश शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने फरार आरोपित के बारे में जानकारी जुटाई और उसकी तलाश में 10 दिनों से अधिक समय तक मेवात इलाके में डेरा डाला। आखिरकार, मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर उसे मेवात इलाके से दबोच लिया गया। दिल्ली और हरियाणा में कर चुका है कई वारदात पूछताछ में पता चला कि आरोपित सालों पहले चोरों की बुरी संगत में पड़ गया और बाद में वह मेवात के हयात उर्फ लंबू के गिरोह में शामिल हो गया, जो दिल्ली समेत एनसीआर में मोबाइल की दुकानों के शटर काटकर चोरी करने में शामिल है। वह पहले भी दिल्ली और हरियाणा में हत्या, सेंधमारी और चोरी सहित छह जघन्य आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

हिंदी दैनिक
सब का सपना

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

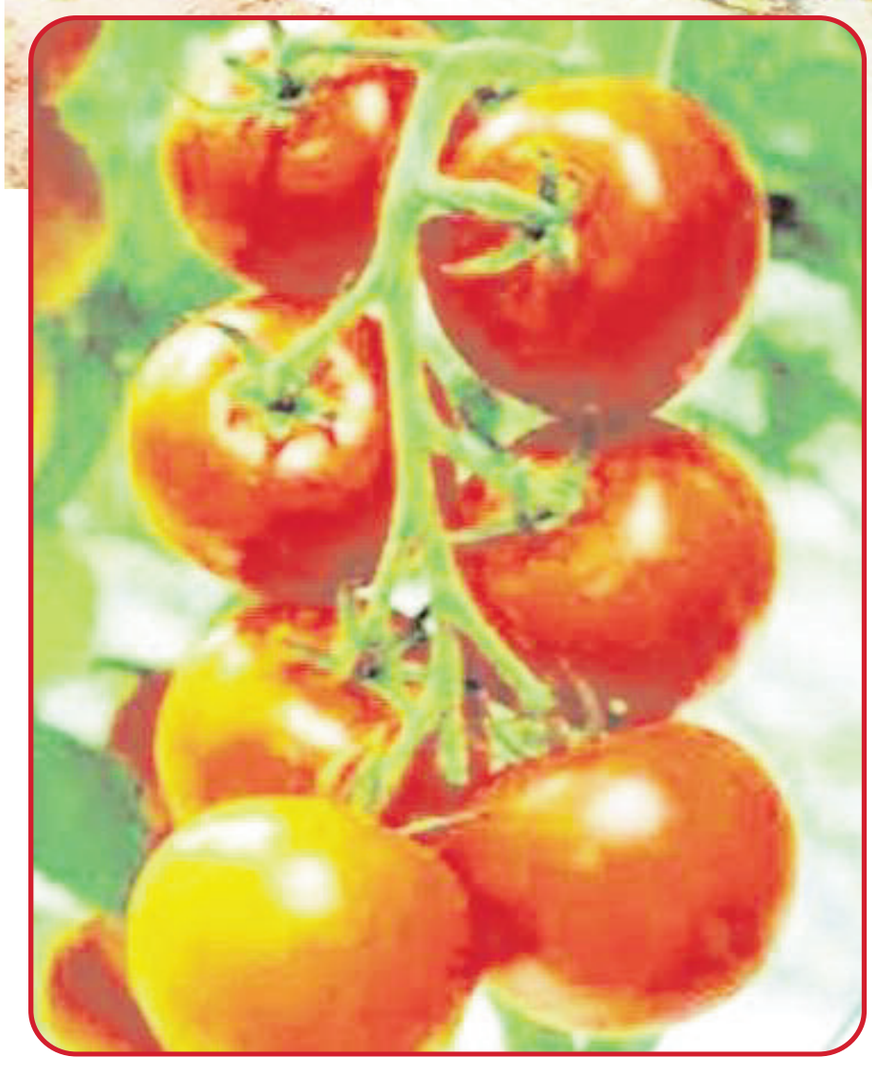

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर:**- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर
⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी):**- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण:**- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल:**- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज् सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

8 सब का सपना हिंदी दैनिक

मनोरंजन

अमरोहा
शनिवार 16 मई 2026
www.sabkasapna.com

मकसद महत्वपूर्ण है, झंडे नहीं: दिलजीत दोसांझ

हाल ही में कनाडा के कैलगरी में हुए अपने कॉन्सर्ट के दौरान गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने झंडों और बैनरों को लेकर उत्पन्न हुए विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कॉन्सर्ट में भीड़ के कुछ सदस्यों द्वारा खालिस्तान के समर्थन में झंडे लहराए गए, जिस पर दिलजीत दोसांझ ने स्टेज से ही कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने खालिस्तानी समर्थकों से कहा कि वे अपने झंडे कहीं और ले जाएं और इस जगह का इस्तेमाल उसी उद्देश्य के लिए करें जिसके लिए यह बनी है—यानी संगीत और मनोरंजन। दिलजीत ने आगे बताया कि कॉन्सर्ट में बाधा डालने और उनके खिलाफ विरोध के तौर पर झंडों का इस्तेमाल करने के कारण ही उन व्यक्तियों को हटाया गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया के स्टोरीज सेक्शन में इसे एक फेक नैरेटिव करार दिया। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वह किसी को भी अपने प्रशंसकों को परेशान करने या उनके शो में रुकावट डालने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दिलजीत ने पंजाबी में एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, बाहर खड़े होकर कोई भी विरोध प्रदर्शन कर सकता है, लेकिन अगर आप अंदर आकर मेरे फैंस को परेशान करने की कोशिश करेंगे, तो यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने झंडों और बैनरों के सही उपयोग और गलत इरादों के बीच का अंतर समझाया। दिलजीत ने कहा, अगर कोई बैनर या झंडा लाता है, तो इसका मतलब है कि वे दिखाना चाहते हैं कि वे किसी खास जगह से आए हैं और हमें समर्थन देने आए हैं। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी, अगर आप वही बैनर लेकर बाहर खड़े होकर मेरे फैंस को गाली देंगे, और फिर वही काम वेन्यू के अंदर करने की कोशिश करेंगे, तो मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा। यह किसी खास बैनर या झंडे के बारे में नहीं है। बात इसके पीछे के मकसद की है। इस बयान के साथ, दिलजीत ने स्पष्ट संदेश दिया कि उनके लिए अपने दर्शकों का अनुभव और कॉन्सर्ट का शांतिपूर्ण माहौल सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जो भी कॉन्सर्ट को खराब करने की कोशिश करे, उसे तुरंत बाहर किया जाए। उन्होंने फिर से दोहराया कि उन्होंने किसी विशेष बैनर के लिए कुछ नहीं कहा, बल्कि गलत इरादों के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। उन्होंने फेक नैरेटिव फैलाने वालों को फटकार लगाते हुए कहा, मैंने पिछले साल तो इस बात को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन अब और नहीं। धन्यवाद। दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार के लिए, जो अक्सर अपने संगीत के माध्यम से एकता और खुशी का संदेश देते हैं, इस तरह के विवाद उनके लिए एक संवेदनशील मुद्दा रहे हैं, और उन्होंने इस बार इसे पूरी गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐतराज कभी भी किसी विशेष झंडे या बैनर से नहीं था, बल्कि उनके पीछे के गलत मकसद पर था।

वरुण और पूजा की केमिस्ट्री ने जीता दिल

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का नया रोमांटिक गाना 'तेरा हो जाऊं' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में वरुण धवन और पूजा हेगड़े की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दोनों की फ्रेश जोड़ी स्क्रीन पर एक अलग ही ऊर्जा और रोमांटिक एहसास लेकर आई है, जिसने युवाओं के बीच इस गाने को तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। वरुण धवन की सहज अदायगी और पूजा हेगड़े की ग्रेसफुल मौजूदगी ने गाने को खास बना दिया है। इस गाने को स्टेबिन बेन और जोनिता गांधी ने अपनी मधुर आवाज दी है। वहीं, इसका संगीत व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स ने तैयार किया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने में आधुनिक रोमांस को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है, जिसकी वजह से यह इंस्टाग्राम रील्स और म्यूजिक प्लेलिस्ट्स में तेजी से ट्रेंड कर रहा है। दर्शकों का कहना है कि लंबे समय बाद ऐसा रोमांटिक ट्रैक आया है, जो सीधे दिल को छूता है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह बना हुआ है और अब इस

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है: दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है। दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली। दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

वेनिस में राधिका का रॉयल अंदाज

राधिका अंबानी एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर चर्चा में हैं। वेनिस बिएनाले में उनका बेहद रॉयल और एलिगेंट लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका ने इस खास मौके पर आइवरी और गोल्डन टोन वाला ऑफ-शोल्डर गाउन पहना, जिसमें वह किसी डिज्नी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं। उनके इस लुक ने फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। राधिका के गाउन का डिजाइन बेहद खास था। ड्रेस के ऊपरी हिस्से को ड्रेप्ड कॉर्सेट लुक दिया गया था, जिससे उनके पूरे आउटफिट को शानदार स्ट्रक्चर मिला। वहीं कमर के नीचे से गाउन का फ्लेयर्ड डिजाइन उसे और भी भव्य बना रहा था। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में राधिका का रॉयल अंदाज साफ नजर आ रहा है। राधिका ने अपने मेकअप को बेहद सिंपल और नेचुरल रखा। सॉफ्ट ब्राउन आई मेकअप और न्यूड पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार दिया। उन्होंने भारी ज्वेलरी की जगह सिर्फ गोल्डन फ्लोरल ईयररिंग्स और एक स्टेटमेंट रिंग पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को क्लासी बना दिया। फैंस राधिका के इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

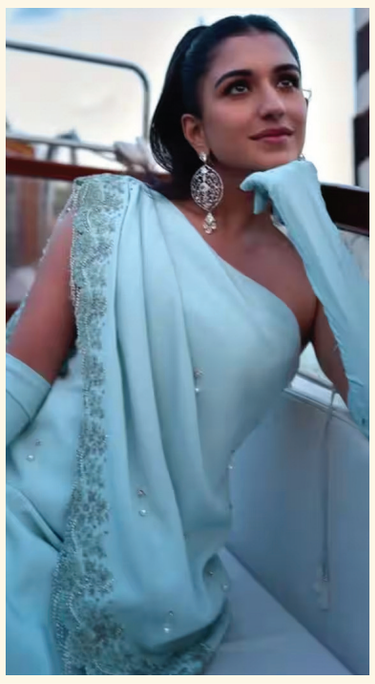

सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर' नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर' के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं।

इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, 卐मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।卐 यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है।

इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी केमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है।卐 फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है। यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जेसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है। ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है। दिशा पाटनी के साथ हॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दिशा पाटनी ने फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि पहली इंटरनेशनल फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो: ईशा देओल

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेंद्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत देते थे।

ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर उन्हें एक ही बात कहते थे 'लगे रहो बेटे, करते रहो।' ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने 'ईशा धर्मेंद्र देओल डिजाइन' रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेंद्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था।

ईशा ने बताया कि यह लालटेन उनके लिए केवल एक डिजाइन नहीं, बल्कि पिता के प्यार और आशीर्वाद की निशानी है। उन्होंने कहा कि वह इस रोशनी को अपने काम के जरिए आगे बढ़ाना चाहती हैं। ईशा ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस नए सफर की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह अपने इस सपने को एक नई पहचान दे रही हैं और यह हमेशा अपने पिता को समर्पित रहेगा। उनकी इस पहल को परिवार का भी पूरा समर्थन मिला। अभिनेता बॉबी देओल ने उनकी पोस्ट साझा करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि ईशा इस क्षेत्र में भी शानदार काम करेंगी। गौरतलब है कि धर्मेंद्र का नवंबर 2025 में मुंबई स्थित उनके जूहू आवास पर निधन हो गया था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।